भाषा शब्दावली

राजस्व प्राप्तियां	राजस्व प्राप्तियों में कर राजस्व, कर-भिन्न राजस्व, संघीय करों एवं शुल्कों में राज्य का हिस्सा तथा भा.स. से सहायतानुदान शामिल हैं।
पूंजीगत प्राप्तियां	पूंजीगत प्राप्तियों में विविध पूंजीगत प्राप्तियां जैसे कि अपनिवेश से प्राप्तियां, ऋणों एवं अग्रिमों की वसूलियां, आंतरिक स्रोतों (बाजार ऋण, वित्तीय संस्थाओं/वाणिज्यिक बैंकों से उधार) से ऋण प्राप्तियां तथा भा.स. से ऋणों एवं अग्रिमों के साथ लोक लेखा से उपार्जन शामिल हैं।
राज्य कार्यान्वयन एजेंसीज	राज्य कार्यान्वयन एजेंसीज में गैर-सरकारी संगठनों सहित ऐसे संगठन/संस्थाएं शामिल होते हैं जो राज्य में विशेष कार्यक्रमों, को कार्यान्वित करने हेतु भारत सरकार से निधियां प्राप्त करने के लिये राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत किये जाते हैं। जैसे सर्व शिक्षा अभियान (स.शि.अ.) के लिए राज्य कार्यान्वयन सोसायटी, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत राज्य स्वास्थ्य मिशन इत्यादि।
उत्प्लावकता अनुपात	उत्प्लावकता अनुपात, मूल परिवर्ती में दिये गये परिवर्तन के संबंध में वित्तीय परिवर्ती की लचक अथवा उत्तरदायित्वता की डिग्री इंगित करता है। उदाहरणार्थ 0.5 पर राजस्व उत्प्लावकता सूचित करती है कि यदि स.रा.घ.उ. एक प्रतिशत तक बढ़ता है तो राजस्व प्राप्तियां 0.5 प्रतिशतता प्वाइंट्स तक बढ़ जायेगी।
कोर पब्लिक गुड्स	कोर पब्लिक गुड्स वे हैं जिनका सभी नागरिक एक साथ इस समझ के साथ लाभ उठाते हैं कि ऐसी वस्तु की प्रत्येक व्यक्ति द्वारा खपत उस वस्तु की अन्य व्यक्ति द्वारा की जाने वाली खपत को कम नहीं करती उदाहरणार्थ कानून एवं व्यवस्था का लागू करना, हमारे अधिकारों की सुरक्षा एवं बचाव; प्रदूषण रहित वायु और अन्य पर्यावरणीय वस्तुएं एवं सड़क मूलभूत संरचना आदि।
मैरिट गुड्स	मैरिट गुड्स वे आवश्यक वस्तुएं हैं जिन्हें सार्वजनिक क्षेत्र मुफ्त अथवा रियायती दरों पर प्रदान करता है क्योंकि योग्यता और सरकार को अदा करने की इच्छा के बजाय वे प्रत्येक व्यक्ति या समाज को उनकी जरूरत की धारणा के आधार पर प्राप्त होनी चाहिए ऐसी वस्तुओं के उदाहरण में पोषण के प्रोत्साहन हेतु गरीबों को मुफ्त अथवा सब्सिडाइजड आहार का प्रबन्ध और रूग्णता को कम करने एवं जीवन स्तर में सुधार के लिये स्वास्थ्य सेवाओं की प्रदानगी, सबको मौलिक शिक्षा, पेयजल और स्वच्छता आदि प्रदान करना शामिल है।
विकास व्यय	व्यय आंकड़े का विश्लेषण विकास एवं गैर-विकास व्यय में बांटा गया है। राजस्व लेखे, पूंजीगत परिव्यय और ऋण एवं अग्रिम से सम्बन्धित सभी व्ययों को सामाजिक सेवाओं, आर्थिक सेवाओं तथा सामान्य सेवाओं में वर्गीकृत किया गया है। मोटे तौर पर, सामाजिक और आर्थिक सेवाएं, विकास व्यय का हिस्सा हैं, जबकि सामान्य सेवाओं पर व्यय को गैर-विकास व्यय समझा जाता है।

ऋण पोषण सक्षमता	ऋण पोषण सक्षमता, काफी समय तक लगातार ऋण-स.रा.घ.उ. अनुपात कायम रखने के लिए राज्य की योग्यता और अपने ऋणों की पूर्ति करने की योग्यता के मामले को सम्मिलित करके परिभाषित किया गया है। इसलिए ऋण पोषण सक्षमता वर्तमान या प्रतिबद्ध दायित्वों की पूर्ति के लिये अस्थिर परिसंपत्तियों की पर्याप्तता और अतिरिक्त उधारों की लागत एवं ऐसे उधारों से प्रतिलाभ के मध्य संतुलन बनाने की क्षमता को भी परिभाषित करता है। इससे अभिप्राय है कि राजकोषीय घाटे की बढ़ोतरी, ऋण की पूर्ति की क्षमता में वृद्धि से मेल खानी चाहिए।
ऋण स्थिरीकरण	स्थिरीकरण की आवश्यक शर्त बताती है कि यदि अर्थव्यवस्था की बढ़ोतरी दर ब्याज दर या सार्वजनिक उधारों की लागत से बढ़ जाती है, ऋण-स.रा.घ.उ. अनुपात स्थिर रहता है, बशर्ते प्राथमिक शेष या तो शून्य या धनात्मक है या संयमित ऋणात्मक है। दिये गये दर प्रसार (स.रा.घ.उ. बढ़ोतरी दर-ब्याज दर) और प्रमात्रा प्रसार (ऋण x दर प्रसार), ऋण पोषण क्षमता शर्तें बताती हैं कि यदि प्राथमिक घाटे के साथ प्रमात्रा प्रसार शून्य हो तो ऋण-स.रा.घ.उ. अनुपात स्थिर रहेगा या ऋण अन्ततोगत्वा स्थिर हो जाएंगे। दूसरी ओर, यदि प्रमात्रा प्रसार के साथ प्राथमिक घाटा, ऋणात्मक में बदल जाता है तो ऋण-स.रा.घ.उ. अनुपात वृद्धि पर होगा। इसके धनात्मक होने के मामले में, ऋण-स.रा.घ.उ. अनुपात अन्ततोगत्वा गिरेगा।
गैर-ऋण प्राप्तियों की पर्याप्तता	राज्य की वर्धित गैर-ऋण प्राप्तियों की पर्याप्तता वर्धित ब्याज देयताओं और वर्धित प्राथमिक व्यय को आवृत करने से है। ऋण पोषण क्षमता को महत्वपूर्ण ढंग से सहायता मिलेगी यदि वर्धित गैर-ब्याज प्राप्तियां, वर्धित ब्याज भार और वर्धित प्राथमिक व्यय की पूर्ति कर दें।
उधार ली गई निधियों की निवल उपलब्धता	कुल ऋण प्राप्तियों से ऋण माफी (मूलधन जमा ब्याज अदायगियां) के अनुपात के रूप में परिभाषित किया जाता है और उधार ली गई निधियों की निवल उपलब्धता को इंगित करते हुये उस सीमा को इंगित करता है जिसमें ऋण प्राप्तियों को ऋण माफी में उपयोग किया जाता है।
प्राथमिक राजस्व व्यय	प्राथमिक राजस्व व्यय से अभिप्राय ब्याज भुगतान को छोड़कर राजस्व व्यय से है।

संकेताक्षरों की शब्दावली

ले. व हक.	लेखा व हकदारी
आ.सा.	आकस्मिक सार
कु.व्य.	कुल व्यय
अ.भा.औ.	अखिल भारतीय औसत
अ.यो.	अनुमोदित योजना
त्व.वि.वि. व सु.का.	त्वरित विद्युत विकास एवं सुधार कार्यक्रम
त्व.सिं.ला.का.	त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम
त्व.ग्रा.ज.यो.	त्वरित ग्रामीण जलापूर्ति योजना
ब.अ.	बजट अनुमान
पि.क्षे.अ.नि.	पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि
भा.नि.म.ले.प.	भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक
पूं.व्य.	पूंजीगत व्यय
पूं.प.	पूंजीगत परिव्यय
वि.प्र.आ.	विस्तृत प्रतिहस्ताक्षरित आकस्मिक
ऋ.स. व रा.सु.	ऋण समेकन एवं राहत सुविधा
म.वि.का.	मरूस्थल विकास कार्यक्रम
वि.व्य.	विकास व्यय
द.ह.बि.वि.नि.लि.	दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड़
जि.ग्रा.वि.अ.	जिला ग्रामीण विकास अभिकरण
ई.आई.सी.	इंजीनियर-इन-चीफ
रा.सु.प.	राजकोषीय सुधार पथ
रा.दा. व ब.प्र.अ.	राजकोषीय दायित्व एवं बजट प्रबन्ध अधिनियम, 2005
स.घ.उ.	सकल घरेलू उत्पाद
भा.स.	भारत सरकार
स.रा.घ.उ.	सकल राज्य घरेलू उत्पाद
ह.वि.उ.लि.	हरियाणा विद्युत उत्पादन लिमिटेड
ह.वि.प्र.नि.लि.	हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड
इ.आ.यो.	इन्दिरा आवास योजना
ब्या.भु.	ब्याज भुगतान
ए.बं.भू.वि.का.	एकीकृत बंजर भूमि विकास कार्यक्रम
ज.ने.रा.श.न.मि.	जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन
क.गां.बा.वि.	कस्तूरबा गांधी बाल विद्यालय
सू.सिं.यो.	सूक्ष्म सिंचाई योजना
सं.स.स्था.क्षे.वि.यो.	संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजनाएं
म.अ.रा.नी.वि.	मध्यम अवधि राजकोषीय नीति विवरणी
रा.कृ.ग्रा.वि.बैं.	राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)
रा.खा.सु.मि.	राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन
गै.स.सं.	गैर-सरकारी संस्था
रा.बा.मि.	राष्ट्रीय बागबानी मिशन

प्रा.स्त.क.शि.रा.का.	प्राथमिक स्तर पर कन्याओं की शिक्षा के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम
यो.रा.व्य.	योजनेतर राजस्व व्यय
यो.रा.प्रा.	योजनेतर राजस्व प्राप्तियां
रा.ग्रा.रो.गा.अ.	राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम
रा.ग्रा.स्वा.मि.	राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन
प. व अ.	परिचालन एवं अनुरक्षण
लो.ले.स.	लोक लेखा समिति
प्र.म.ले.	प्रधान महालेखाकार
प्र.व्य.पूं.व्य.	प्रति व्यक्ति पूंजीगत व्यय
प्र.व्य.वि.व्य.	प्रति व्यक्ति विकास व्यय
प्र.व्य.सा.क्षे.व्य.	प्रति व्यक्ति सामाजिक क्षेत्र व्यय
प.ले.खा.	पर्सनल लेजर खाता
प.प्रा.पा.	पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप
प्र.ग्रा.स.यो.	प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना
यो.रा.व्य.	योजनागत राजस्व व्यय
पं.रा.सं.	पंचायती राज संस्था
सा.क्षे.उ.	सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम
भा.रि.बैं.	भारतीय रिजर्व बैंक
रा.व्य.	राजस्व व्यय
सं.अ.	संशोधित अनुमान
रा.गां.ग्रा.वि.यो.	राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतिकरण योजना
रा.प्रा.	राजस्व प्राप्तियां
वे. व म.	वेतन एवं मजदूरी
रा.वि.ऋ.	राज्य विकास ऋण
पृ.ले.प.प्र.	पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन
स.ग्रा.रो.यो.	सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना
स्व.ज.ग्रा.स्व.यो.	स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना
स.शि.अ.	सर्व शिक्षा अभियान
सा.क्षे.व्य.	सामाजिक क्षेत्र व्यय
भा.वि.प.प्रा.	भारतीय विशेष पहचान प्राधिकरण
कु.व्य.	कुल व्यय
बा.वि.आ.	बारहवां वित्त आयोग
ते.वि.आ.	तेरहवां वित्त आयोग
उ.प्र.प.	उपयोगिता प्रमाण–पत्र
उ.ह.बि.वि.नि.लि.	उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड
मू.व.क.	मूल्य वर्धित कर